चीनी आयात से कीमतों पर लगेगा अंकुश

सरकार के 25 फीसदी की रियायती शुल्क दर पर 3 लाख टन कच्ची चीनी के आयात को मंजूरी के फैसले से आगामी त्योहारी सीजन में इसकी कीमतों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों में चीनी की कमी दूर की जा सकेगी। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

केंद्र ने हाल में 25 फीसदी के रियायती शुल्क पर 3 लाख टन कच्ची चीनी के आयात को मंजूरी दी है। हालांकि, आयात शुल्क की सामान्य दर 50 प्रतिशत है। रेटिंग एजेंसी इक्रा की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कदम से निकट भविष्य में चीनी कीमतों या चीनी मिलों के मुनाफे पर मामूली असर होगा क्योंकि जितनी चीनी के आयात की अनुमति दी गई है, वह काफी कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कदम से चीनी की कमी वाले दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों में चीनी की कमी को दूर किया जा सकेगा और उपभोक्ताओं को भी त्योहारी सीजन में ऊंची कीमतों के झटके से बचाया जा सकेगा। इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सब्यसाची मजूमदार का मानना है कि चीनी की कम मात्रा के आयात की ही अनुमति दी गई है जिससे निकट भविष्य में कीमतों पर कोई नकारात्मक प्रभाव पड़ने या चीनी मिलों के मुनाफे पर असर पड़ने के आसार नहीं हैं। *भाषा*

Business Standard
13/9/17

√ R